RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 133
दि. 12.09.2025, शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

पंजाब : शाहरुख खान ने 1,500 परिवारों तक पहुंचाई राहत सामग्री

पंजाब इन दिनों अपनी चार दशकों की सबसे भयानक बाढ़ से जूझ रहा है। इस प्राकृतिक आपदा ने अब तक 50 से अधिक लोगों की जान ले ली, जबकि 4 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। इसके साथ ही 22 जिलों के 2,200 से अधिक गांवों पर इसका असर पड़ा है। राज्य में करीब 1.90 लाख हेक्टेयर में बोई गई फसलें तबाह हो गईं। अभिनेता अक्षय कुमार के बाद अब बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की मीर फाउंडेशन भी राहत कार्यों में सक्रिय हो गई है। शाहरुख खान के NGO मीर फाउंडेशन ने स्थानीय एनजीओ के साथ मिलकर बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने की पहल शुरू की है।

पीएम मोदी का हवाई दौरा रद्द, देहरादून में की हाईलेवल मीटिंग, 1200 करोड़ की मदद और प्रभावित परिवारों से मिले

मौसम खराब होने के चलते पीएम मोदी का हवाई सर्वेक्षण रद्द किया गया। देहरादून में पीएम मोदी ने एक उच्च स्तरीय बैठक भी की। पीएम ने

आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर सांत्वना दी। कहा कि आपदा में मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और गंभीर रूप से घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। पीएम एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आपदा मित्र स्वयंसेवकों से भी मिले और उनके प्रयासों की सराहना की।

राजदूत सर्जियो गोर का टैरिफ पर पहला रिएक्शन, कहा- 'भारत के साथ समझौते से बहुत दूर...'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत नियुक्त किया है. इस बीच सर्जियो गोर ने गुरुवार को कहा कि भारत-अमेरिका के

बीच टैरिफ को लेकर पैदा हुआ तनाव कुछ ही हफ्तों में सुलझ जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देश बहुत दूर नहीं हैं. न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक सर्जियो गोर ने कहा, "भारत एक महत्वपूर्ण साझेदार है, जिसका भविष्य इस क्षेत्र को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाएगा. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सशक्त नेतृत्व में मैं इस महत्वपूर्ण साझेदारी में अमेरिका के हित को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं."

काशी : पीएम मोदी ने किया नवीनचन्द्र रामगुलाम का वेलकम

नई दिल्ली, (जीएनएस)।

प्रधाननंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंच गए हैं.अपने चार घंटे के इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने भारत पहुंचे मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम का स्वागत किया. इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में रोड शो किया जहां लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया.

काशी में भारत-मॉरीशस वार्ता की वार्ता हो रही है और इसके लिए मॉरीशस के प्रधानमंत्री भारत दौरे पर है जो तीन दिन वाराणसी ही रहेंगे. शाम को मॉरीशस के पीएम उट योगी के साथ क्रूज पर गंगा आरती देखने जाएंगे और बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे.

पीएम मोदी और डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के बीच होने वाली यह मुलाकात दोनों देशों के बीच स्थायी सभ्यतागत और आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है.

द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख बिंदु

इस बैठक में दोनों देशों के नेता द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की गहन समीक्षा करेंगे, जिसमें विकास साझेदारी और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. चर्चा के मुख्य विषय ये होंगेः उभरते क्षेत्र, जैसे- नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नीली अर्थव्यवस्था जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना. दूसरा- पारंपरिक क्षेत्र, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में आपसी सहयोग को और मजबूत करना.

यह बैठक प्रधानमंत्री मोदी की मार्च 2025 में मॉरीशस की यात्रा से बनी सकारात्मक गति पर आधारित है, जब दोनों देशों ने अपने संबंधों को 'संवर्धित रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाया था.

वैश्विक महत्व

हिंद महासागर क्षेत्र में एक करीबी समुद्री पड़ोसी के रूप में, मॉरीशस भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है. दोनों देशों के बीच मजबूत हो रही यह साझेदारी न केवल उनके लोगों की समृद्धि के लिए, बल्कि ग्लोबल साउथ की सामूहिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भी महत्वपूर्ण है.

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के दौरान शहीद हुए राज्य के 9 वन शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के दौरान शहीद हुए राज्य के 9 वन शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए

गांधीनगर, 11 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 11 सितंबर को राष्ट्रीय वन शहीद दिवस के अवसर पर गांधीनगर में राज्य के पहले ह्यवनपाल स्मारकह्ल जाकर वन शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

केंद्र सरकार की ओर से वर्ष 2013 से प्रतिवर्ष 11 सितंबर को वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण एवं संवर्धन की ड्यूटी के दौरान शहीद हुए वन विभाग के वनरक्षक, वनपाल, परिक्षेत्र वन अधिकारियों और अन्य फ्रंटलाइन वन कर्मियों की शहादत के सम्मान में राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस

गुजरात के 9 वन शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर उन्हें भावांजलि

अर्पित करने के लिए गांधीनगर में सेक्टर 30 स्थित वन चेतना केंद्र में निर्मित राज्य के पहले 'वनपाल स्मारक' पहुंचे।

उन्होंने वन मंत्री श्री मुळुभाई बेरा तथा वन राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल के साथ वन शहीद वीरों को भावपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें यथोचित सम्मान दिया।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल, वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव श्री संजीव कुमार, हेड ऑफ द फॉरेस्ट फोर्स श्री ए.पी. सिंह और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी वन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना क्यों कर रही सिंदूर रक्षा आंदोलन? बीजेपी मंत्रियों के बच्चों बनाया निशाना

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव में जीत हासिल करने के लिए उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) युद्ध स्तर पर प्रचार करने में जुट चुकी है। मराठा और अन्य वोटरों को साधने के लिए उद्धव की शिवसेना तरह-तरह के पैतरे अजमा रही है। इतना ही नहीं महाराष्ट्र सरकार और केंद्र सरकार पर चढ़ाई करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है।

मनोज जरांगे के मराठा आंदोलन का सपोर्ट करने के बाद अब शिवसेना (यूबीटी) ने भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले क्रिकेट मैच का पुरजोर विरोध शुरू कर दिया है। शिवसेना (यूबीटी) ने इस मैच के खिलाफ 'सिंदूर रक्षा' आंदोलन करने का ऐलान कर दिया है।

याद रहे भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले क्रिकेट मैच को लेकर राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इस पर अपनी कड़ी आपत्ति जताई है।

क्या है 'सिंदूर रक्षा' आंदोलन?

संजय राउत ने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) की महिला इकाई 'सिंदूर रक्षा' आंदोलन करेगी। राउत ने ऐलान किया "महाराष्ट्र की हजारों महिलाएं प्रधानमंत्री मोदी को अपने घरों से सिंदूर भेजेंगी। सिंदूर के सम्मान में शिवसेना मैदान में उतर चुकी है!"

संजय राउत ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा?

दरअसल, संजय राउत ने पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले की एक वायरल तस्वीर 11 सितंबर को अपनी पोस्ट में शेयर करते हुए लिखा, "पहलगाम हमले में 26 मां-बहनों का सिंदूर मिट गया था, उनका गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है। आतंकियों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है, फिर भी अबू धाबी में भारत-पाक क्रिकेट मैच खेला जा रहा है।"

एशिया कप बांग्लादेश ने 7 विकेट से जीत दर्ज कर ली।

एशिया कप में आज हांगकांग और बांग्लादेश के बीच मुकाबला में हांगकांग ने पहले बैटिंग की और 7 विकेट पर 143 रनों का स्कोर खड़ा किया। अबू धाबी में इस मैच के दौरान हांगकांग का कोई बल्लेबाज फिफ्टी नहीं जमा पाया, बांग्लादेश ने 7 विकेट से जीत दर्ज कर

ली।पिच से शुरूआती मदद लेने के लिए टॉस जीतकर बांग्लादेश ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। यह निर्णय उस समय सही साबित हो गया, जब हांगकांग के ओपनर बल्लेबाज अंशुमन रथ महज 4 रन के निजी स्कोर पर आउट होकर पवेलियन लौट गए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल बनासकाँठा में भारी वर्षा से प्रभावित सीमावर्ती गाँवों के दौरे पर

मुख्यमंत्री का वाव एपीएमसी में ग्रामीणों के साथ संवाद तथा रात्रि निवास

- सुईगाम, नागला तथा खानपुर का दौरा कर ग्रामीणों के साथ बातचीत की और आश्रय स्थानों में दी जा रही सुविधा एवं राहत कार्यों के निरीक्षण से प्रभावितों को सरकार उनके साथ होने का अहसास कराया
- सुईगाम में उच्चाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति को तेजी से पूर्ववत करने का मार्गदर्शन दिया

विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी तथा उद्योग मंत्री श्री बळवंतसिंह राजपूत मुख्यमंत्री के प्रभावित क्षेत्रों की दौरे में सहभागी हुए

गांधीनगर, 11 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भारी वर्षा से प्रभावित बनासकाँठा जिले के सुईगाम का गुरुवार को दौरा किया। उन्होंने सुईगाम गाँव के प्रभावित क्षेत्रों में मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया।

श्री पटेल गुरुवार दोपहर सुईगाम पहुँचे और उन्होंने सुईगाम सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र के आश्रय स्थान में आसरा ले रहे बाढ़ प्रभावितों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने प्रभावितों को दी जा रही सुविधा तथा बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने प्रभावितों को अहसास कराया कि इस बाढ़ की स्थिति में सरकार उनके साथ है। मुख्यमंत्री सुईगाम में वर्षा जलभराव वाले क्षेत्रों व जलोत्रा सब स्टेशन भी गए और वर्षा से उत्पन्न स्थिति से अवगत हुए। उन्होंने प्रभावित बनासकाँठा जिले के वाव में गुरुवार रात्रि निवास कर ग्रामीणों के साथ संवाद किया और स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

इससे पहले श्री पटेल सुईगाम प्रांत अधिकारी कार्यालय में विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी, जिला प्रभारी मंत्री श्री बळवंतसिंह राजपूत, विधायक सर्वश्री स्वरूपजी ठाकोर, अनिकेत ठाकर, प्रवीण माली, पूर्व विधायक श्री शशिकांत पंड्या, पदाधिकारियों और मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास एवं अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत-बचाव के कामकाज की समीक्षा की और जरूरी मार्गदर्शक सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा किए गए कामकाज की प्रशंसा की और स्थिति पूर्ववत होने तक ऐसी ही संवेदना एवं तत्परता से कार्यरत रहने की प्रेरणा दी।

उन्होंने वर्षा प्रभावितों को कैशडोल्स का भुगतान गुरुवार शाम से ही शुरू कर देने तथा घरेलू सामान सहायता देने में एसओपी बनाकर तद्अनुसार सहायता देने के दिशानिर्देश दिए। उन्होंने पशुओं की मृत्यु के मामले में सहायता का भुगतान वेटरनरी ऑफिसर द्वारा सत्यापन करके किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने प्रशासन से सुईगाम सहित सीमावर्ती गाँवों में कनेक्टिविटी बहाल करने को प्राथमिकता देने को कहा।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ की ऐसी स्थिति बार-बार न पैदा हो, इसके लिए दीर्घकालिक निवारण योजना की आवश्यकता समझाई।

इस समीक्षा बैठक में बनासकाँठा जिला कलेक्टर श्री मिहिर पटेल ने सुईगाम, वाव, थराद एवं भाभर में 3416 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लगभग 296 गावों के भारी वर्षा से प्रभावित होने का विवरण प्रेजेंटेशन के जरिए दिया।

प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू तथा स्थानांतरण का विवरण देते हुए प्रेजेंटेशन में बताया गया कि 4 तहसीलों में कुल 228 लोगों को रेस्कूय किया गया और 6800 से अधिक प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है।

पीएम मोदी और इटली पीएम के वायरल वीडियो का सच आया सामने, पुलिस ने किया चौंकाने वाला खुलासा!

(जीएनएस)।

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से जुड़े मीम्स का वायरल होना कोई नई बात नहीं है। लेकिन, इस बार एक वीडियो ने सारी हदें पार कर दीं और पुलिस को सीधे एक्शन लेना पड़ा।

दरअसल, एक युवक ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) की मदद से दोनों प्रधानमंत्रियों का एक ऐसा वीडियो बनाया, जिसे देखकर लोग हैरान रह गए। जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए उस युवक को गिरफ्तार कर लिया।

यह घटना सिर्फ गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा सवाल खड़ा होता है कि आखिर यह वीडियो क्यों और कैसे बनाया गया?

आरोपी गिरफ्तारः अक का गलत इस्तेमाल करने का आरोप

उत्तर प्रदेश के रायबरेली से पुलिस ने

उत्तर प्रदेश के रायबरेली से युवक गिरफ्तार

दुर्गेश कुमार नाम के एक युवक को इस मामले में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने प्रधानमंत्री मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का एक वीडियो अक की मदद से बनाया था। इस वीडियो के साथ डिजिटल रूप से छेड़छाड़ की गई थी, और इसे लोगों को गुमराह करने के इरादे से सोशल मीडिया पर शेयर किया गया था।

पुलिस और प्रशासन की सख्त चेतावनी

पुलिस ने इस घटना के बाद जनता से अपील की है कि वे अक द्वारा बनाए गए या छेड़छाड़ किए गए किसी भी कंटेंट को साझा करने से पहले बहुत सतर्क रहें। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि गलत सूचना या आपत्तिजनक सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी कार्यकर्ता ने दर्ज कराई शिकायत

इस मामले का खुलासा तब हुआ जब बीजेपी कार्यकर्ता हरिओम चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस वीडियो की शिकायत पुलिस से की। उन्होंने अपनी शिकायत में लिखा कि यह वीडियो प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद की छवि को खराब करने का एक गंभीर प्रयास है, और इस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए।

दो फाड़ हुआ नेपाल का जेन-जेड आंदोलन? एक और नेता की एंट्री के बाद आपस में चले लात-घूंसे

(जीएनएस)।

नेपाल में जारी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच Gen Z प्रदर्शनकारियों के एक गुट ने पूर्व नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (NEA) के प्रमुख कुलमान घिसिंग को अंतरिम सरकार का नेतृत्व सौंपने का प्रस्ताव रखा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि घिसिंग के पास ऊर्जा क्षेत्र का गहरा अनुभव और देश के प्रशासनिक सुधारों का बेहतरीन रिकॉर्ड है।

क्यों कटा सुशीला कार्की का पत्ता?

यह प्रस्ताव पूर्व सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नामांकन के विरोध में सामने आया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि संविधान न्यायाधीशों और पूर्व मुख्य न्यायाधीशों को प्रधानमंत्री बनने से रोकता है। पहले हजारों ॠल्ल` समर्थकों ने कार्की के पक्ष में मतदान किया था, लेकिन कानूनी बाध्यता सामने आने पर समूह में मतभेद पैदा हो गया।

हालांकि, प्रधानमंत्री की तलाश इतनी दूर जा चुकी है कि Gen Z का सब्र अब टूटने लगा है। इसके अलावा उनमें आपस में भी मतभेद उपजने लगे हैं। Gen Z आंदोलन भी अब दो फाड़ होने लगा है, जिसके चलते उनमें बहस के बाद आपस में लात-घूंसे चले। जिसका वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऐसे में GenZ के भीतर एक असंतोष की स्थिति बनती दिख रही है। हालांकि, कई जगहों पर इंटरनेट कटने से इस बात की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

सेना मुख्यालय में चर्चा

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, Gen Z समूह के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को भद्रकाली स्थित सेना मुख्यालय में राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल से मुलाकात की। सेना प्रवक्ता ने पुष्टि की कि विभिन्न हितधारकों के साथ वार्ता चल रही है।

प्रवक्ता ने कहा, "हम कई दौर की बातचीत कर रहे हैं। चर्चा का केंद्र बिंदु मौजूदा गतिरोध से निकलने का रास्ता और देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।"

काठमांडू के मेयर बालेन्द्र शाह को इस पद के लिए सबसे योग्य उम्मीदवार माना जा रहा था, लेकिन उन्होंने रुचि नहीं दिखाई। धरान नगर पालिका के मेयर हर्क संपंग को भी विकल्प माना गया, मगर प्रदर्शनकारियों ने उन्हें कमजोर उम्मीदवार बताया। ऐसे में, 54 साल के इंजीनियर कुलमान घिसिंग का नाम आगे बढ़ाया गया।

कुलमान घिसिंग उस समय सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने नेपाल में दशकों से जारी बिजली संकट को खत्म कर दिया था। उनके नेतृत्व में देश को रोजाना 18 घंटे तक की बिजली कटौती से मुक्ति मिली।

सम्पादकीय

जनप्रतिनिधि ईमानदार कम अपराधी अधिक

यह सूचना न केवल चौंकाती है बल्कि हमें सोचने पर मजबूर करती है कि जिन मंत्रियों, सांसदों, विधायकों को हम अपना भाग्य बनाने के लिए चुनते हैं वह अंदर खाते कितने दागदार हैं। उनके खिलाफ कितने गंभीर आरोप लगे हुए हैं। आपराधिक मामलों में भी हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध के गंभीर मामले शामिल हैं। चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) ने अपनी नई रिपोर्ट में चौंकाने वाले आरोपों की लंबी लिस्ट दी है। अभी हाल ही में तीन विधेयक संसद में पेश किए गए थे ताकि गंभीर आपराधिक मामलों में अगर किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को 30 दिन भी जेल में रहना पड़े तो उसे स्वतः पद मुक्त मान लिया जाए। हालांकि विपक्ष ने इसका जमकर विरोध किया और आशंका जताई गई कि अगर ये कानून बन गए तो उनका दुरुपयोग होगा, जिससे विपक्षियों को निशाना बनाया जाएगा। फिलहाल ये कानून जेपीसी को सौंपा गया है और उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर आगे कार्रवाई होगी। पर हम एडीआर की रिपोर्ट की तरफ लौटते हैं। रिपोर्ट के अनुसार देशभर के 302 मंत्री (करीब 47 प्रतिशत) खुद पर आपराधिक केस होने की बात स्वीकार कर चुके हैं। इनमें 174 मंत्री ऐसे हैं जिन पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं वहीं वेंद्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 29 (40 प्रतिशत) ने आपराधिक केस होने की बात मानी है। एडीआर ने 27 राज्यों, 3 वेंद्र शासित प्रदेशों और वेंद्र सरकार के वुल 643 मंत्रियों के शपथ पत्रों का विश्लेषण किया।

यानी कि ये सब केस नेताओं ने अपने शपथ पत्रों में दिए हैं, यह सब अपराध उन्होंने खुद स्वीकार किए हैं। एडीआर ने यह भी कहा कि जिस शपथ पत्रों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है वे 2020 से 2025 के बीच चुनावों के दौरान दाखिल हुए थे। इन मामलों की स्थिति बदल भी सकती है। जिन मुख्यमंत्रियों पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। उस सूची में सबसे ऊपर तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हैं जिन पर 89 केस चल रहे हैं।

अगला नंबर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन का आता है जिन पर 47 केस चल रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और मोदी सरकार की बैसाखी बने चंद्रबाबू नायडू पर 19 केस चल रहे हैं। कनार्टक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर 13, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर 5, देवेंद्र फणनवीस व भाजपा के महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पर 4, हिमाचल के सुखविंदर सिंह सुक्खू पर 4, केरल के पी. विजयन पर 2, सिक्किम के पीएस तमांग, भगवंत मान, मोहन मांझी और भजनलाल पर एक-एक केस चल रहा है। पार्टिवार स्थिति वुछ ऐसी है भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 (40 प्रतिशत) पर आपराधिक केस हैं। वहीं 88 (26 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस के 61 मंत्रियों में से 45 (74 प्रतिशत) पर केस हैं, 18 (30 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं।

डीएमके के 31 में से 27 (87 प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं, 14 (48 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। टीएमसी के 40 में से 13 (33 प्रतिशत) पर केस हैं, 8 (20 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के 23 में से 22 (96 प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं। इनमें से 13 (57 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। आम आदमी पार्टी के 16 में से 11 (69 प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं, 5 (31 प्रतिशत) पर गंभीर वेंस हैं। दुखद पहलु तो यह है कि इस हमाम में सभी नंगे हैं। वास्तव में देश में कोई ऐसी पार्टी नहीं है जिसमें आपराधिक दाग वाले नेता न हों। आपराधिक मामलों के आंकड़े यह साफ बताते हैं कि कथित साफ छवि का दावा करने वाले में राजनीतिक दल भी अपने नेताओं पर लगने वाले दाग को गंभीरता से नहीं लेते। वे अगर सबसे पहले वुछ देखते हैं तो यह कि कौन आदमी यह सीट निकाल सकता है भले ही उसकी छवि वुछ भी हो। बहरहाल, एडीआर ने मंत्रियों की औसत संपत्ति के भी दिलचस्प आंकड़े पेश किए हैं कर्नाटक में सबसे अधिक आठ अरबपति मंत्री हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में अमीर नेताओं की संख्या समय के साथ बढ़ती चली जाएगी। यही नहीं चुनाव लड़ना भी महंगा होता जा रहा है। चुनाव लड़ना साधारण व्यक्ति की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। यही वजह है कि ईमानदार, कम साधनों वाले अब विधानसभा, लोकसभा चुनाव लड़ने का सपना भी नहीं देख सकते और यह हाल सब पार्टियों का है।

गुजरात : 4 वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 84 करोड़ 29 लाख रुपए से अधिक की सहायता मंजूर

सुशासन के 4 वर्ष : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से पिछले 4 वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 84 करोड़ 29 लाख रुपए से अधिक की सहायता मंजूर

मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से गुजरात के नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं की सरलता से उपलब्धता सुनिश्चित करती है गुजरात सरकार

ह्वसीएम रिलीफ फंड जरूरतमंदों के लिए बहुत ही अच्छी योजना है तथा ऐसी और कोई सेवा है ही नहींह्व - योजना के लाभार्थी

मुख्यमंत्री राहत कोष जरूरतमंद नागरिकों को आर्थिक एवं मानसिक मनोबल प्रदान करने का माध्यम

गांधीनगर, 11 सितंबर, 2025: 13 सितंबर, 2025 को मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल के सुशासन के चार वर्ष पूर्ण हो रहे है। इन चार वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने राज्य के सभी नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं की सरलता से उपलब्धता सुनिश्चित की है। अत्यंत गंभीर एवं जानलेवा बीमारी में खचीर्ली स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त करने में अक्षम जरूरतमंद नागरिकों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए राज्य सरकार मुख्यमंत्री राहत कोष (मुख्यमंत्री रिलीफ फंड यानी सीएमआरएफ) के माध्यम से स्वास्थ्योन्मुख वित्तीय सहायता प्रदान करती है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पिछले 4 वर्षों में मुख्यमंत्री राहत कोष से 3761 नागरिकों को 84 करोड़ 29 लाख रुपए की आर्थिक सहायता मंजूर की गई है। यह दशार्ता है कि राज्य के नागरिकों के स्वास्थ्य एवं सुख-समृद्धि के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही 21 वर्षीय हेतवीबेन शाह को कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए 3,58,260 रुपए की सहायता

वडोदरा निवासी तथा एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही 21 वर्षीय हेतवीबेन शाह को कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए आर्थिक सहायता की जरूरत थी। कम श्रमण क्षमता के कारण उचित उपचार न हो, तो उनकी शिक्षा एवं कॅरियर पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता था। वडोदरा के एपेक्स स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक

ने कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए 5,97,000 रुपए का अनुमानित खर्च बताया था, जिसके कारण उन पर भारी आर्थिक बोझ आ रहा था। इस स्थिति को ध्यान में लेकर तथा उनके प्रति सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए मुख्यमंत्री ने विशेष मामले में उनके लिए 3,58,260 रुपए की सहायता मंजूर की। हेतवीबेन के पिता संदीपभाई शाह कहते हैं, ह्वहमें हमारे रिश्तेदारों के जरिये सीएम रिलीफ फंड के बारे में जानकारी मिली थी। इसके अलावा, हमने अखबार में भी आर्टिकल पढ़ा था कि सीएम रिलीफ फंड से कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए सहायता मिलती है। इसलिए हमने सम्बद्ध अधिकारियों को अप्रोच किया, जरूरी दस्तावेज दिए, वेयरीफाई कराए और हमारी 3,58,260 रुपए की सहायता मंजूर हुई। हमें डेढ़ से दो महीने में ही पेमेंट भी मिल गया। हमारा आर्थिक बोझ कम हो गया और मेरी बेटी को मशीन भी मिल गई। सीएम रिलीफ फंड जरूरतमंदों के लिए बहुत ही अच्छी योजना है तथा ऐसी और कोई सेवा है ही नहीं। यह जरूरी है कि इस योजना की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे ह्व

71 वर्षीय हाजाभाई खूँटी को कैंसर के उपचार के लिए मिली मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता

अहमदाबाद निवासी 71 वर्षीय हाजाभाई जेताभाई खूँटी को कैंसर हुआ था। अहमदाबाद के एचसीजी आस्था केयर अस्पताल ने उनके उपचार का अनुमानित खर्च 8,50,000 रुपए बताया था। हाजाभाई जैसे मध्यम वर्गीय परिवार के लिए यह राशि बहुत बड़ी थी। उनकी आर्थिक स्थिति एवं रोग की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने विशेष मामले में उनके उपचार के लिए 2,83,333 रुपए की सहायता मंजूर की। हाजाभाई कहते हैं, ह्वहमें बहुत ही सही समय पर राज्य सरकार की ओर से आवश्यक आर्थिक सहायता मिल गई। मेरा ऑपरेशन भी सफलतापूर्वक हो गया और मेरा स्वास्थ्य अब बहुत ठीक है। रेगुलर फॉलो-अप के लिए अस्पताल जाना पड़ता है, लेकिन सीएम रिलीफ फंड से हमें जो सहायता मिली, उससे हमें पूरा संतोष है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री तथा राज्य सरकार का बहुत आभारी हूँ ह्व

सीएमआरएफ : जरूरतमंदों को आर्थिक एवं मानसिक मनोबल प्रदान करने का माध्यम

सीएमआरएफ यानी मुख्यमंत्री रिलीफ फंड जरूरतमंदों को आर्थिक एवं मानसिक मनोबल प्रदान करने का माध्यम बना है। लिवर ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, लंग व हार्ट ट्रांसप्लांट तथा कैंसर जैसे प्राणघातक रोगों का उपचार बहुत खचीर्ला होता है। इस प्रकार के अति गंभीर रोगों के उपचार के लिए जब राज्य सरकार द्वारा पीएमजेएवाई योजनांतर्गत सहायता सीमा पूरी हो जाती है, तब कई बार रोगी व उसके परिजनों के पास

एग्रो और डेयरी में उत्तर गुजरात की नई उड़ान, वीजीआरसी में होगी वैश्विक पहचान की प्रस्तुति

- VGRC में आलू, मसाला और डेयरी वैल्यू चेन में निवेश अवसरों पर होगा फोकस
- VGRC उत्तर गुजरात के एग्रो, फूड प्रोसेसिंग और डेयरी सेक्टर को देगा नई गति

गांधीनगर, 11 सितंबरः गुजरात एकीकृत सहकारी मॉडल के माध्यम से देश की कृषि अर्थव्यवस्था में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अब, उत्तर गुजरात की कृषि, डेयरी और फूड प्रोसेसिंग की ताकतें राष्ट्रीय और वैश्विक निवेशकों के सामने पेश की जाएंगी। उत्तर गुजरात में 9झ10 अक्टूबर 2025 को वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (VGRC) का आयोजन होने जा रहा है। दो दिवसीय यह सम्मेलन न केवल किसानों, उद्यमियों और उद्योगपतियों को जोड़ने का मंच बनेगा, बल्कि प्रदेश के कृषि क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन की सफलता कहानियों को भी प्रदर्शित करेगा।

कार्यक्रम के पहले दिन, 9 अक्टूबर को, गुजरात सरकार के कृषि, किसान कल्याण एवं सहकार विभाग की ओर से ह्वसॉयल टू शेल्फः इन्टीग्रेटिंग सस्टेनिबिलिटी एन्ड प्रॉफिटिबिलिटी अक्रॉस दि वैल्यू चेनह्व विषय पर सेमिनार आयोजित होगा, जिसमें विशेषज्ञ स्थायी और लाभकारी कृषि मॉडल पर चर्चा करेंगे। दूसरे दिन, 10 अक्टूबर को, ह्वएग्री-टेक टू एग्री-वेल्थः ट्रान्सफॉर्मिंग एग्रीकल्चर थ्रू टेक्नोलॉजीह्व विषय पर सेमिनार होगा। इसमें खेती में तकनीकी नवाचार, एग्री-स्टार्टअप्स और डिजिटल एग्रीकल्चर के बढ़ते अवसरों पर चर्चा की जाएगी, जिससे किसानों की आय और प्रदेश की कृषि प्रतिस्पर्धा को नई दिशा मिलेगी।

वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP) पहल के तहत अरावली ज़िले ने आलू-आधारित उत्पादों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यहाँ के फ्रेंच फ्राइज, फ्लेक्स और स्टार्च-रहित (शुगर-फ्री) आलू वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बढ़त दिला रहे हैं। वर्ष 2024-25 में, अरावली ज़िले से आलू का निर्यात 12 देशों ओमान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, मलेशिया, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), हांगकांग, वियतनाम, बहरीन, कतर,

अंगोला और श्रीलंका को हुआ। यह ज़िला सौंफ, मेथी और हल्दी की खेती पर आधारित जैविक मसालों और पाउडर प्रोसेसिंग के लिए भी एक प्रमुख केंद्र बन चुका है।

दूसरी ओर, बनासकांठा ज़िला न केवल गुजरात का सबसे बड़ा आलू उत्पादक है, बल्कि राज्य के कृषि और डेयरी क्षेत्रों में भी अग्रणी है। वर्ष 2024-25 में 18.70 लाख टन आलू उत्पादन के साथ यह राज्य में पहले स्थान पर रहा। यहाँ फ्रोजन और डिहाइड्रेटेड आलू उत्पादों के लिए मजबूत औद्योगिक आधार मौजूद है। आलू के साथ-साथ, बनासकांठा भारत की इसबगोल (प्सिलियम हस्क) उत्पादन में भी वैश्विक नेतृत्व में योगदान देता है। संपूर्ण गुजरात से इसबगोल का निर्यात 88 देशों में होता है, जिनमें से 79 देशों को निर्यात केवल उत्तर गुजरात से होता है।

डेयरी क्षेत्र में भी यह ज़िला अपनी पहचान रखता है। बनास डेयरी, जो भारत की सबसे बड़ी डेयरी है, 1,600 से अधिक दुग्ध समितियों और 3 लाख किसानों के सहयोग से संचालित होती है। कृषि, डेयरी और प्रोसेसिंग उद्योगों का यह संगम न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है, बल्कि उत्तर गुजरात को वैश्विक मानचित्र पर भी सशक्त उपस्थिति दिला रहा है।

उत्तर गुजरात निवेश और कृषि विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। मेहसाणा शहर अब केवल अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए ही नहीं, बल्कि कृषि, फूड प्रोसेसिंग, उच्च गुणवत्ता वाले मसालों, डेयरी और वैल्यू-एडेड एग्रीकल्चर के लिए भी पहचान बना रहा है। उंझा का प्रसिद्ध मार्केट यार्ड जीरा, सौंफ और अन्य ऑर्गेनिक मसालों की प्रोसेसिंग के लिए एक स्वाभाविक बढ़त देता है, जबकि दूधसागर डेयरी बड़े पैमाने पर दूध, घी, मक्खन और पनीर के उत्पादन से स्थानीय और राष्ट्रीय बाजारों में मजबूती ला रही है। हाल के वर्षों में अरंडी और मूंगफली के बढ़ते उत्पादन ने तेल मिल और संबद्ध उद्योगों के लिए नए अवसर खोले हैं।

क्षेत्र के कृषि उत्पादों में पाटण के गाजर, चाणसमां की सौंफ और सामी, राधनपुर व सांतलपुर का जीरा शामिल हैं, जो प्रोसेसिंग उद्योग के लिए एक सशक्त आधार तैयार करते हैं। सरसों, अरंडी और मूंगफली जैसे तिलहन फसलों की बढ़ती पैदावार ऑयल मिलिंग और संबद्ध उद्योगों को गति दे रही है। आलू और गाजर प्रोसेसिंग में भी मेहसाणा अहम योगदान दे रहा है।

दूसरी ओर, साबरकांठा ज़िला एग्रो और फूड प्रोसेसिंग के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां की कृषि क्षमता और डेयरी का मजबूत नेटवर्क इस बदलाव को गति दे रहा है।

टाइगर के खाते में एक और फ्लॉप फिल्म होगी शामिल, 'बागी 4' की कमाई हुई फुस्स

(जीएनएस)।

'बागी 4' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 6 दिन हो गए हैं। फिल्म ने अपना पहला हफ्ता बॉक्स ऑफिस पर पूरा करने वाली है। फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। लेकिन कमाई के मामले में मेकर्स को निराश करती जा रही है। फिल्म से जिस तरह की उम्मीद थी, वैसा परफॉर्म नहीं कर पाई है।

5 सितंबर को 12 करोड़ रुपए की ओपनिंग की। शनिवार यानी दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन 9.25 करोड़ रहा, रविवार को फिल्म ने 10 करोड़ की कमाई की। सोमवार को 4.25 करोड़ और मंगलवार को 4 करोड़ का बिजनेस हुआ। लेकिन बुधवार को फिल्म का कलेक्शन फिर नीचे गिरा।

इस दिन फिल्म ने सिर्फ 1.67 करोड़ रुपए की कमाई की। फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 41.42 करोड़ रुपए है।

छह दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन ₹41 करोड़ रहा है। 'बागी 4' से मेकर्स को भरपूर कमाई की उम्मीद थी। क्योंकि फिल्म एक्शन से भरी हुई है। इसमें इतनी मारकाट दिखाई गई है, जैसे आम इंसान सब्जी काट रहा हो। बाग 4 के मेकर्स ने इसे बनाने में करीब 150 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लेकिन फिल्म एक हफ्ते में ₹50 करोड़ रुपये भी नहीं कमा पाई है। फिल्म का दिन प्रति दिन कलेक्शन देख, ऐसा लगता है कि फिल्म अपने बजट का 50% पैसा भी नहीं कमा पाएगी। मेकर्स भी इस कमाई को देख हैरान हैं। वहीं, ये फिल्म टाइगर के खाते में एक और फ्लॉप के रूप में जुड़ जाएगी।

फिल्म 'बागी 4' में टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त के साथ सोनम बाजवा, हरनाज संधू, श्रेयस तलपड़े, उपेंद्र लिमये, सौरभ सचदेवा और शीबा आकाशदीप साबिर जैसे कई अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। टाइगर श्रॉफ को आखिरी बार 'बड़े मियां छोटे मियां' में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी।

एक हेलीकॉप्टर कितने रुपए में किराए पर मिलता है? किस पार्टी ने कितने उड़नखटोले किए बुक?

(जीएनएस)।

जैसे-जैसे बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान को तेज कर दिया है। इस बार चुनाव प्रचार का सबसे अहम हथियार बन गए हैं हेलीकॉप्टर। चुनावी आसमान में कुल 20 हेलीकॉप्टर उड़ान भरेंगे, जिनमें से ज्यादातर का इस्तेमाल एनडीए और महागठबंधन (INDIA ब्लॉक) के नेता करेंगे।

NDA ने बुक किए 15 हेलीकॉप्टर

BJP और JDU के चेहरे वाले NDA ने प्रचार के लिए 15 हेलीकॉप्टर बुक किए हैं। इनमें से 12-13 हेलीकॉप्टर बीजेपी के लिए और 2 जेडीयू के लिए रखे गए हैं। साथ ही, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा जैसे सहयोगी दल भी इनका उपयोग करेंगे। एनडीए नेताओं से प्रतिदिन 14-15 हेलीकॉप्टरों के इस्तेमाल की उम्मीद है, जिनमें अधिकतर बीजेपी नेताओं के लिए होंगे।

INDIA ब्लॉक के पास 5 हेलीकॉप्टर

विपक्षी गठबंधन INDIA ब्लॉक ने कुल 5 हेलीकॉप्टर बुक किए हैं। इनमें कांग्रेस और आरजेडी ने 2-2 हेलीकॉप्टर अपने नेताओं के लिए आरक्षित किए हैं। विपक्षी दल सीमित संसाधनों के बावजूद हेलीकॉप्टरों का सहारा लेकर अधिक से अधिक विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचने की रणनीति बना रहे हैं।

कितने में बुक होता है एक हेलीकॉप्टर?

हेलीकॉप्टर किराए पर लेना सस्ता सौदा नहीं है। एक सिंगल-इंजन हेलीकॉप्टर का खर्च ₹1-2

लाख प्रति घंटा आता है, जबकि डबल-इंजन हेलीकॉप्टर ₹3-4 लाख प्रति घंटा तक पहुंचता है। चुनावी मौसम में किराया और बढ़ जाता है-सिंगल इंजन के लिए लगभग 25% और डबल इंजन के लिए 100% तक चुकाना पड़ते हैं। बुक करने वाले नेताओं को तीन घंटे का न्यूनतम शुल्क और उस पर 18% GST देना पड़ता है।

पिछली बार से तीन गुना ज्यादा बुकिंग

पटना एयरपोर्ट स्थित ग्लोबल फ्लाइट सर्विसेज के प्रबंधक देवेंद्र कुमार ने बताया कि इस बार चुनाव प्रचार के लिए हेलीकॉप्टरों की संख्या पिछले चुनावों से लगभग तीन गुना अधिक है। 2020 के चुनाव में कोविड-19 महामारी के चलते इनका इस्तेमाल सीमित था, लेकिन अब हेलीकॉप्टर राजनीतिक दलों की पहली पसंद बन गए हैं।

यातायात नहीं भीड़ खींचने का साधन भी

चुनाव प्रचार में हेलीकॉप्टर न केवल यात्रा का साधन हैं बल्कि भीड़ जुटाने का एक आकर्षण भी माने जाते हैं। क

नेपाल में जो हुआ उसके पीछे किस देश का हाथ? महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कर दिया बड़ा दावा

(जीएनएस)।

नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाए जाने को मुद्दा बनाकर जेन जेड ने जमकर उपद्रव किया। जेन जेड के उग्र विरोध-प्रदर्शन और आगजनी के चलते प्रधानमंत्री ओली को इस्तीफा देना पड़ा और उनकी सरकार का तख्तापटलट हो गया जेन जेड के इस उग्र प्रदर्शन की आग में जले नेपाल की हालत अब पहले से बेहतर है लेकिन अब ये सवाल उठ रहा है कि इसके पीछे क्या किसकी साजिश थी?

इसी बीच नेपाल की हिंसा से जोड़कर भारत में सोशल मीडिया पर पर कई मैसेज फारवर्ड हो रहे हैं। जिसको लेकर महाराष्ट्र की पुलिस अलर्ट हो चुकी है। पुलिस का उद्देश्य ऐसे भड़काऊ मैसेज को रोकना है जो लोगों के बीच नफरत या अशांति फैला सकते हैं। इसी बीच महाराट्र के गृह मंत्री योगेश कदम ने नेपाल में जेन जेड के विरोध-प्रदर्शन के पीछे किस देश का हाथ हो सकता है, इसको लेकर बड़ा दावा कर डाला है।

दरसअल, महाराष्ट्र में गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने नेपाल हिंसा के बाद महाराष्ट्र के हालात पर बात करते हुए कहा कि उनकी विभाग की टीम ऐसे तत्वों पर कड़ी नजर रख रही है, जो सोशल मीडिया के माध्यम से हिंसा

भड़काने या अफवाहें फैलाकर अशांति पैदा करने की कोशिश करते हैं।

कदम ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य की सोशल मीडिया नीतियां बहुत सख्त हैं। उन्होंने बताया कि उनकी साइबर सेल मजबूत है और उन्होंने सोशल मीडिया पर अफवाहों को फैलने से पहले ही रोक दिया है।

नेपाल में जेन जेड के उग्र प्रदर्शन के पीछे किस देश का हाथ?

नेपाल में हुई हिंसा पर टिप्पणी करते हुए योगेश कदम ने इसमें चीन का इंफ्ल्यूएन्स यानी प्रभाव की संभावना जताई है। कदम ने कहा, "यह समझना बहुत जरूरी है कि नेपाल में ऐसा क्यों हुआ। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मेरी पीएचडी है, और नेपाल पर चीन का इंफ्ल्यूएन्स एक ऐसा एंगल है जिस पर विचार होना चाहिए।"

कदम बोले- यह मेरा व्यक्तिगत विश्लेषण है

कदम ने सोशल मीडिया को बिना किसी पूर्व सूचना के पूरी तरह से प्रतिबंधित करने के फैसले को 'बेहद कड़ा' बताया। उन्होंने कहा, "मेरे ख्याल से ऐसे निर्णयों से पूरी तरह से अशांति फैलती है। यह मेरा व्यक्तिगत विश्लेषण है, किसी राजनीतिक या जानकारी के आधार पर नहीं बोल रहा हूं।"

नेपाल में जेन जेड के उग्र प्रदर्शन में चली गई कई जान

ध्यान रहे, नेपाल में 8 सितंबर को छात्रों ने सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया था, जो बाद में हिंसक हो गया। मजबूर होकर केपी ओली को इस्तीफा देना पड़ा। इस विरोध प्रदर्शन में राजधानी काठमांडू में बड़े नेताओं के घरों और सैकड़ों वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। इन विरोध प्रदर्शनों में 30 लोगों की मौत हो गई और लगभग 400 लोग घायल हुए। ओली सरकार की सत्ता पलट के बाद नेपाल में अंतरिम सरकार बनाने के लिए खींचतान चल रही है।

मोहन भागवत की जाति क्या है, शादीशुदा हैं या नहीं, आरएसएस चीफ के बारे में ये बातें नहीं जानते होंगे आप

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत आज 11 सितंबर 2025 को 75 साल के हो गए।11 सितंबर 1950 को जन्मे मोहन भागवत न सिर्फ संघ के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं, बल्कि देश की सामाजिक-राजनीतिक धारा को दिशा देने वाली आवाज भी बन चुके हैं। 2009 में संघ की कमान संभालने के बाद से वे लगातार संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम कर रहे हैं।

कभी "बुजुर्गों का संगठन" कहे जाने वाले ंघ्र ने 2009 में एक बड़े बदलाव का रास्ता चुना। 2004 लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार, लालकृष्ण आडवाणी से जुड़ी विवादित घटनाएं, प्रमोद महाजन की हत्या, अटल बिहारी वाजपेयी का सक्रिय राजनीति से संन्यास और तब के सरसंघचालक के.सी. सुदर्शन व विश्व हिंदू परिषद के अशोक सिंघल की सेहत बिगड़ने से संघ परिवार कठिन दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में संघ की बागडोर सौंपी गई मोहन भागवत को - जो तब तक

अपेक्षाकृत कम चर्चित और वरिष्ठ नेताओं की तुलना में "जूनियर" माने जाते थे।

आज वही भागवत संघ परिवार की 36 संस्थाओं की दिशा और दशा तय कर रहे हैं, और यह सुनिश्चित कर चुके हैं कि पूरा संगठन एक ही दिशा में आगे बढ़े। ऐसे में आइए मोहन भागवत की जिंदगी और सफर से कुछ रोचक तथ्य, जिन्हें शायद बहुत कम लोग जानते होंगे।

▶ 1. मोहन भागवत का परिवार और उनकी जाति

1950 में महाराष्ट्र के सांगली जिले में जन्मे मोहन भागवत का परिवार संघ के प्रति समर्पित था। मोहन भागवत एक करहाड़े ब्राह्मण परिवार से हैं। मोहन भागवत के दादा नानासाहेब संघ संस्थापक के.बी. हेडगेवार के सहयोगी थे। उनके पिता मधुकरराव गुजरात में प्रचारक रहे।

मां मालती संघ की महिला शाखा से जुड़ी हुई थीं। कहा जाता है कि भागवत परिवार का घर हमेशा सभी के लिए खुला रहता था। टकराव से दूर रहकर समझाने और जोड़ने की कला, भागवत को विरासत में मिली।

मोहन भागवत, चार भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। पशु चिकित्सक के रूप में छह महीने चंद्रपुर में नौकरी की, लेकिन जल्दी ही सब छोड़कर अकोला जिले के प्रचारक बन गए। फिर विदर्भ और बिहार में काम किया और 2000 में वे संघ के सरकार्यवाह (जनरल सेक्रेटरी) बने।

▶ 2. मोहन भागवत की शिक्षा

मोहन भागवत ने वेटरिनरी साइंस (पशु चिकित्सा विज्ञान) में स्नातक की पढ़ाई की और फिर कृषि विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की। डॉक्टर बनने का उनका सपना था, लेकिन उन्होंने अपना जीवन संघ को समर्पित कर दिया।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

टाउन प्लानिंग के 100 वर्षों के इतिहास में सूरत की प्रेरक पहल

सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन क्षेत्र की प्रारंभिक टीपी स्कीम नं. 61 का आदेश केवल 8 महीने में जारी

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट के ढांचागत विकास के लिए सूरत शहर के 909 हेक्टेयर क्षेत्र में कुल 5 टीपी स्कीमों का आयोजन

देश के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की पहली टीपी स्कीम का आदेश जारी, 100 वर्ष पहले इसी दिन लागू हुई थी भारत की पहली टीपी स्कीम

कोसमाड़ा-छेछड़ा-ओवियाण के लिए टीपी स्कीम नं. 61 के त्वरित प्रारंभिक आदेश से सुनियोजित विकास को मिलेगी गति

टीपी स्कीम नं. 61 में सड़क नेटवर्क के लिए 3 लाख वर्ग मीटर से अधिक भूमि आवंटित

टेक्नोलॉजी, पारदर्शिता और जनभागीदारी के साथ गुजरात का उत्कृष्ट शासन मॉडल

गांधीनगर, 11 सितंबर :देश के महत्वाकांक्षी ह्यमुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्टह्ल के अंतर्गत सूरत में निमार्णाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन न केवल ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की दृष्टि से, बल्कि समग्र शहरी विकास के दृष्टिकोण से भी परिवर्तनकारी बन रहा है। सूरत शहर में ह्यटाउन प्लानिंग (टीपी) स्कीम नं. 61ह्ल के लिए केवल 8 महीने की अल्पावधि में प्रारंभिक आदेश जारी किया गया है, जो राज्य के सर्वांगीण विकास विजन के दृढ़ संकल्प, टेक्नोलॉजी के उपयोग और जनसहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

जैसे-जैसे भारत की पहली बुलेट ट्रेन का सपना हकीकत में तब्दील होता जा रहा है, वैसे-वैसे सूरत शहर भी विकास की नई इबारत गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ते जा रहा है। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) द्वारा सूरत में बुलेट ट्रेन स्टेशन के निर्माण के साथ ही, राज्य के शहरी विकास और शहरी गृह निर्माण विभाग ने भी विकास उन्मुख दृष्टिकोण अपनाते हुए टाउन प्लानिंग स्कीमों के माध्यम से स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों के सुनियोजित और आधुनिक विकास के द्वार खोल दिए हैं।

राज्य सरकार के शहरी विकास और शहरी गृह निर्माण विभाग के प्रवर नगर नियोजक श्री के.डी. पटेल ने बताया कि विकास के पथ पर तेज गति से अग्रसर सूरत के लिए टीपी स्कीम संख्या 61 (कोसमाड़ा-छेड़छा-ओवियाण) महज एक योजना दस्तावेज नहीं, बल्कि यह इस क्षेत्र के सर्वसमावेशी और भविष्य-उन्मुख विकास का रोडमैप है। बुलेट ट्रेन एचएसआर नोड क्षेत्र के विकास के लिए 909 हेक्टेयर क्षेत्र में कुल 5 टाउन प्लानिंग स्कीमों का आयोजन किया गया है, जो शहर के इकोनॉमिक जोन, रिहायशी इलाकों और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

राज्य सरकार ने गुजरात नगर नियोजन और शहरी विकास अधिनियम-1976 के अंतर्गत टाउन प्लानिंग स्कीम संख्या 61 (कोसमाड़ा-छेड़छा-ओवियाण) को ड्राफ्ट टीपी योजना के रूप में मंजूरी दे दी है और इसे निर्धारित अवधि में अंतिम रूप देने के लिए प्रवर नगर नियोजक श्री के.डी. पटेल को टाउन प्लानिंग ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया है।

श्री के.डी. पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात शहरीकरण की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, विश्व स्तरीय शहरी विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार 2025 को ह्यशहरी विकास वर्षह्ल के रूप में मना रही है।

श्री पटेल ने आगे कहा कि टीपी स्कीम के लिए टेक्नोलॉजी के सदुपयोग, सरकारी विभागों में समन्वय और जनभागीदारी के तालमेल से केवल 8 महीने में ही प्रारंभिक टीपी स्कीम संख्या 61 का प्रारंभिक आदेश जारी किया गया है।

गुजरात आपदा धर्म निभाता है : पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए खाद्य सामग्री तथा जीवन जरूरी वस्तुएँ विशेष राहत ट्रेन से भेजी गई

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 400 टन खाद्य सामग्री तथा लगभग 70 टन दवाइयों के साथ विशेष राहत ट्रेन को गांधीनगर रेलवे स्टेशन से प्रस्थान कराया

पंजाब तथा छत्तीसगढ़ के बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए गुजरात की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष में आए पाँच-पाँच करोड़ रुपए की सहायता के चेक भेजे गए

गांधीनगर, 11 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के दिशादर्शन में गुजरात ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ खड़े रहते हुए संकट के समय जरूरतमंदों की सहायता के लिए आपदा धर्म निभाने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाया है।

पंजाब में भारी वर्षा के कारण बाढ़ से प्रभावित लोगों की तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के उम्दा उद्देश्य से गुजरात सरकार के राहत आयुक्त कार्यालय के समन्वय अंतर्गत खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग जैसे विभिन्न विभागों द्वारा जीवन जरूरी वस्तुएँ विशेष राहत ट्रेन से पंजाब पहुँचाने की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने आटा, प्याज, आलू, चावल, मूंगफली तेल, चीनी तथा दूध पाउडर जैसी आवश्यक वस्तुओं सहित कुल 400 टन खाद्य सामग्री, 10 हजार ताड़पत्रियों, 10 हजार मच्छरदानियों, 10 हजार बेडशीटों तथा लगभग 70 टन दवाइयों से भरी इस विशेष राहत ट्रेन को गुरुवार को गांधीनगर रेलवे स्टेशन से प्रस्थान कराया।

श्री पटेल इससे पहले पंजाब तथा छत्तीसगढ़ के बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए गुजरात की ओर से पाँच-पाँच करोड़ रुपए की सहायता के चेक सम्बद्ध राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भेज चुके हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा इस ट्रेन को प्रस्थान कराए जाने के बाद प्रवक्ता मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल ने मीडिया को विवरण देते हुए बताया कि आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए विभिन्न राहत सामग्री से भरी जो ट्रेन गांधीनगर रेलवे स्टेशन से रवाना की गई है, उसमें गेहूँ से लेकर कपड़े तक विभिन्न वस्तुएं हैं। इस सामग्री से भरे 22 वेगनों के साथ यह ट्रेन रवाना की गई है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के बाढ़ प्रभावितों के लिए भी जीवन जरूरत की लगभग 8 हजार राहत किट भेजी गई हैं।

प्रवक्ता मंत्री ने यह भी जोड़ा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी तथा प्रभारी मंत्रियों के साथ बनासकाँठा जिले के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और जिला प्रशासन के कामकाज की समीक्षा करने के साथ जरूरी मार्गदर्शन भी देने वाले हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा गांधीनगर से विशेष राहत ट्रेन को प्रस्थान कराए जाने के अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री कुँवरजीभाई बावळिया, गृह राज्य मंत्री व गांधीनगर जिला प्रभारी मंत्री श्री हर्ष संघवी, गांधीनगर की महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल, विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल, प्रदेश महासचिव श्री रजनीभाई पटेल, शहर अध्यक्ष डॉ. आसित दवे, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती मोना खंधार, राहत आयुक्त श्री आलोक पांडे, रेलवे के डीआरएम, रेलवे प्रशासन तथा राज्य के वरिष्ठ अधिकारी-पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे उधना एवं पुरी के बीच चलाएगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से उधना एवं पुरी स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन संख्या 08472/08471 उधना-पुरी स्पेशल (साप्ताहिक) [20 फेरे]

ट्रेन संख्या 08472 उधना-पुरी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को उधना से 17:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:45 बजे पुरी पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 सितंबर से 25 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 08471 पुरी-उधना स्पेशल प्रत्येक सोमवार को पुरी से 06:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 24 नवंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, व्यारा, नंदुरबार, अमलनेर, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा रोड, संबलपुर सिटी, रेढ़ाखोल, अंगुल, तालचेर रोड, ढेंकानाल, भुवनेश्वर और खुर्दा रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 08472 की बुकिंग 12 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कौन हैं संजय कपूर की पहली पत्नी नंदिता महतानी? 30,000 करोड़ की संपत्ति में उन्हें क्यों नहीं मिल रहा हिस्सा?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की 12 जून 2025 को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। संजय कपूर की अचानक हुई मौत से उनके परिवार और दोस्तों को गहरा सदमा लगा है।

संजय कपूर की मौत के बाद संपत्ति को लेकर विवाद शुरू

हालांकि किसी को अंदाज नहीं था कि संजय कपूर की मौत के कुछ महीने बाद ही उनके परिवार में उनकी संपत्ति को लेकर झगड़ा शुरू हो जाएगा। संजय कपूर की दूसरी पत्नी, एक्ट्रेस कपूर के बच्चों ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है।

करिश्मा कपूर के दोनों बच्चें पहुंचे दिल्ली हाई कोर्ट

करिश्मा कपूर और संजय पूर के दोनों बच्चों, बेटी समायरा और बेटा कियान, ने पापा की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव पर वसीयत में धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। कपूर परिवार और प्रिया सचदेव के बीच संपत्ति के बंटवारे को लेकर लड़ाई जारी है।

संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव पर लगे ऐसे आरोप

हालांकि संजय कपूर की पहली पत्नी नंदिता महतानी के इस मामले में शामिल होने की कोई खबर नहीं है। क्या आप जानते हैं ऐसा क्यों हैं? आइए आपको बताते हैं इसके पीछे की पूरी कहानी।

कौन हैं संजय कपूर की पहली पत्नी नंदिता महतानी?

-नंदिता महतानी एक जानी-मानी भारतीय फैशन डिजाइनर हैं। उनका जन्म साल 1976 में हुआ था। साल 1996 में नंदिता ने संजय कपूर से शादी की थी। इसके बाद साल 2000 में नंदिता महतानी और संजय कपूर का तलाक हो गया था।

-फैशन इंडस्ट्री में नंदिता महतानी ने अपनी खास पहचान बनाई है। उन्होंने विराट कोहली, कैटरीना कैफ और गौरी खान जैसे कई मशहूर हस्तियों को स्टाइल किया है। साल 2024 में, उन्होंने एक फैशन शो में करण जौहर के साथ रैंप वॉक करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था।

नंदिता महतानी के रोमांटिक रिलेशन्स

-संजय कपूर से शादी करने के 4 साल बाद ही नंदिता महतानी ने उनसे तलाक ले लिया था। हालांकि नंदिता के रोमांटिक रिश्ते अक्सर सुर्खियों में रहे हैं। एक समय पर नंदिता ने बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर को डेट किया था, जो कथित तौर पर उनसे बहुत प्यार करते थे।

-इसके अलावा नंदिता महतानी का एक्टर डिनो मोरिया के साथ भी रिश्ता रहा है। साल 2016 में नंदिता और डिनो मोरिया का ब्रेकअप हो गया था। जानकारी के अनुसार ब्रेकअप के बावजूद, नंदिता महतानी और डिनो मोरिया मिलकर 'प्लेग्राउंड' नाम की कंपनी चलाते हैं।

-बाद में नंदिता महतानी का एक्टर विद्युत जाम्वाल के साथ भी सीरियस रिलेशनशिप था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो विद्युत जाम्वाल ने उत्तर प्रदेश के आगरा में 150 मीटर ऊंची दीवार से रैपलिंग करके नंदिता को शादी के लिए प्रपोजल दिया था।

-कहा जाता है कि नंदिता महतानी और विद्युत जाम्वाल ने ताजमहल के सामने सगाई भी की थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। हालांकि सगाई करने के 2 साल बाद विद्युत जम्वाल और नंदिता महतानी ने साल 2023 में अपना रिश्ता खत्म कर लिया।

संजय कपूर के प्रॉपर्टी विवाद का हिस्सा क्यों नहीं हैं नंदिता?

-नंदिता महतानी ने साल 1996 में संजय कपूर से शादी की थी और 2000 में उनका तलाक हो गया था। कपल का कोई बच्चा नहीं है। इसी वजह से नंदिता महतानी अभी कपूर परिवार के इस विवाद में शामिल नहीं हैं।

-वहीं दूसरी तरफ करिश्मा कपूर और संजय कपूर के दो बच्चे हैं, समायरा और कियान। इसके अलावा संजय कपूर और प्रिया सचदेव के भी एक बेटा है, अजारियस कपूर। आपको बता दें कि प्रिया सचदेव की पहली शादी से उनकी बेटी सफिरा चाटवाल हैं जिनकी देखभाल संजय कपूर और प्रिया मिलकर करते थे।

बजाज ट्रस्ट द्वारा ग्रामीण विकास एवं स्वर्णिम भारत के 'ध्येय महोत्सव' का सीकर में भव्य शुभारम्भ

ट्रस्टी अपूर्व नयन बजाज ने उद्घाटन सत्र में साझा किया ग्रामीण परिवर्तन का दृष्टिकोण

मुंबई, 11 सितम्बर। ग्रामीण विकास, सकारात्मक परिवर्तन और समृद्ध अनुभव के अद्भुत संगम के प्रतीक "ध्येय महोत्सव" के सातवें संस्करण का भव्य शुभारम्भ राजस्थान के प्रमुख नगर सीकर में ऊजार्वान और उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में हुआ। इस महोत्सव का आयोजन बजाज फाउंडेशन, विश्व युवक केंद्र और जमनालाल कनिराम बजाज ट्रस्ट के परोपकारी पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

समारोह की शुरूआत दीप प्रज्व्लनऔर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में एडीएम सीकर श्रीमती भावना शर्मा के साथ बजाज फाउंडेशन के ट्रस्टी अपूर्व नयन बजाज, विश्व युवक केन्द्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उदय शंकर सिंह तथा बजाज समूह के सीएसआर अध्यक्ष हरिभाई मोरी ने ग्रामीण विकास के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किये। महोत्सव के पहले दिन बजाज फाउंडेशन एवं विश्व युवक केंद्र की ग्रामीण हस्तक्षेप योजनाओं पर प्रस्तुतियाँ, फसल विविधीकरण और बागवानी विकास की सफलता की कहानियाँ तथा किसानों, युवा क्लबों और शिक्षकों द्वारा अनुभव साझा सत्र आयोजित किये गये। इन संवादों ने सहयोग, नवाचार और दृढ़ संकल्प की उस भावना को प्रदर्शित किया, जिसके लिए ध्येय कार्यक्रम जाना जाता है। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में ट्रस्टी अपूर्व नयन बजाज ने कहा कि "ध्येय" केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है, जो ज्ञान बॉंटने के साथ-साथ व्यावहारिक सीख और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने की हमारी सार्थक कोशिश है। उन्होंने बताया कि सीकर में जमनालाल कनीराम बजाज ट्रस्ट के अंतर्गत अब तक हमने एक हजार से भी अधिक गाँवों के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न कार्य सुनिश्चित किये हैं। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में हमारा उद्देश्य देश भर से आये सामाजिक संस्थानों के साथ अपना अनुभव साझा कर आत्मनिर्भर और मजबूत गाँवों का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि सातवें संस्करण तक पहुँच चुका ध्येय कार्यक्रम, जल संरक्षण, कृषि, आजीविका और शिक्षा के क्षेत्रों में सतत विकास के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है और देशभर के ग्रामीण नेतृत्व को सफल मॉडल अपनाने हेतु प्रेरित कर रहा है। आगामी दिनों में महोत्सव के अंतर्गत विषयगत कार्यशालाएँ, अनुभव साझा सत्र और फील्ड एक्सपोजर विजिट्स के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जिनसे सतत ग्रामीण प्रगति के लिए ठोस रूपरेखा तैयार होगी। उल्लेखनीय है कि बजाज फाउंडेशन, देश के प्रमुख औद्योगिक घराने बजाज समूह का परोपकारी अंग है, जो जल, कृषि, आजीविका और शिक्षा के माध्यम से सतत ग्रामीण विकास पर कार्यरत है। भारत के सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री जमनालाल बजाज के पोते शिशिर बजाज की अध्यक्षता में यह संस्था सीकर (राजस्थान) में जमनालाल कनिराम बजाज ट्रस्ट तथा वर्धा (महाराष्ट्र) और ललितपुर (उत्तर प्रदेश) में कमलनयन जमनालाल बजाज फाउंडेशन का संचालन करती है। बजाज समूह के अध्यक्ष कुशाग्र बजाज के नेतृत्व में बजाज समूह का विस्तार चीनी, एथेनॉल, ऊर्जा और एफएमसीजी व्यवसायों में हुआ है, जबकि अपूर्व नयन बजाज परिवार की सेवा की विरासत को आगे बढ़ाते हुए सामुदायिक सशक्तिकरण पहलों का नेतृत्व कर रहे हैं। नई दिल्ली स्थित विश्व युवक केंद्र 1961 से युवाओं के कौशल विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जो नवीन कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से युवाओं एवं स्वयं सेवी संस्थाओं को सशक्त बनाकर समग्र विकास तथा राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देता है।

बजाज फाउंडेशन के "ध्येय महोत्सव" में ट्रस्टी अपूर्व नयन बजाज का सत्कार करते हुए विश्व युवक केंद्र के प्रतिनिधि रणवीर सिंह। दूसरे चित्र में "ध्येय महोत्सव" के शुभारम्भ समारोह में शामिल विभिन्न सहभागी।

इस बार सीएम नहीं बने तो खत्म होगा करियर? 5 प्वाइंट में समझिए तेजस्वी के लिए क्यों है ये आखिरी मौका

तेजस्वी यादव बिहार की राजनीति का सबसे चमकता हुआ नाम बन चुके हैं। लालू यादव की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने विपक्ष और सत्ता-दोनों में ही अपनी पकड़ मजबूत की है। दो बार डिप्टी सीएम की कुर्सी संभाल चुके तेजस्वी अब सीधे मुख्यमंत्री बनने की ओर नजरें गड़ाए बैठे हैं। लेकिन सवाल है-क्या 2025 का चुनाव उनके लिए 'करो या मरो' जैसा साबित होगा? आइए, 5 बड़े कारणों से समझते हैं क्यों यह चुनाव उनकी सियासी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट हो सकता है।

2025 का चुनाव तेजस्वी यादव के लिए सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि अस्तित्व की जंग है। अगर जीतते हैं तो मुख्यमंत्री की कुर्सी पक्की, अगर हारते हैं तो आने वाला रास्ता और भी कठिन। यही वजह है कि इस बार का चुनाव उनके लिए सचमुच 'करो या मरो' जैसा है।

2020 के चुनाव में तेजस्वी यादव अकेले मोर्चा संभाल रहे थे क्योंकि लालू यादव जेल में थे। लेकिन इस बार तस्वीर बदल चुकी है। लालू यादव खुद बिहार की जमीन पर सक्रिय हैं और अपनी पूरी ताकत बेटे के पीछे झोंक चुके हैं। उनके अनुभव, राजनीतिक पकड़ और गठबंधन के नेताओं पर असर का सीधा फायदा तेजस्वी को मिलेगा। ऐसे में अगर इस मौके को भुना नहीं पाए, तो फिर दोबारा ऐसा सुनहरा चांस मिलना मुश्किल है।

नीतीश कुमार पिछले डेढ़ दशक से सत्ता पर काबिज हैं। उम्र का असर, लगातार कुर्सी पर बने रहने की थकान और सत्ता-विरोधी लहर अब साफ दिखने लगी है। यही वजह है कि बिहार में जनता बदलाव का मूड भी बना रही है। अगर तेजस्वी इस लहर को कैश नहीं कर पाए, तो उनके खिलाफ ही सवाल खड़े हो जाएंगे कि वे मौका मिलने के बावजूद क्यों चूक गए।

तेजस्वी यादव के सामने सिर्फ बाहरी विपक्ष ही नहीं, बल्कि आंतरिक चुनौती भी बड़ी है। तेज प्रताप यादव का लगातार बागी तेवर और मीसा भारती की सक्रियता पार्टी के भीतर सवाल खड़े करती है। अगर चुनाव हारे, तो आरजेडी में नेतृत्व संकट गहराएगा और परिवार की राजनीति में भी दरार और चौड़ी हो सकती है। यही कारण है कि इस बार की जीत उनके लिए 'सरवाइव करने' की भी शर्त है।

महागठबंधन के भीतर कांग्रेस और अन्य दल पहले ही तेजस्वी से बड़ी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। जैसे कांग्रेस ने राहुल गांधी के लिए प्रधानमंत्री पद पर आरक्षण रखा, वैसे ही आरजेडी में मुख्यमंत्री पद को लेकर तेजस्वी का दावा है। अगर चुनाव में हार मिली, तो कांग्रेस और बाकी सहयोगी दलों का धैर्य टूट सकता है और भविष्य में तेजस्वी को सीएम चेहरा मानने से इनकार भी हो सकता है।

वर्चस्व की रंजिश में दो राउंड फायरिंग और लोहे की रॉड से हमला

(जीएनएस)।

बिहार में अपराधियों के हौसले दिन पर दिन बुलंद होते जा रहे हैं, बुधवार की देर शाम राजधानी पटना में राजद नेता राजकुमार राय की अपराधियों ने हत्या कर दी, वहीं ओद्योगिक राजधानी बेगूसराय के लाखो थाना क्षेत्र में अकरञ्च नेता मोहम्मद दाउद और उनके भाई मोहम्मद इमरान पर जानलेवा हमला हुआ।

ग्रामीणों ने बताया कि देर रात जिस तरह एआईएसएफ के छात्र नेता मोहम्मद दाउद और उनके भाई मोहम्मद इमरान पर गोलियों और लोहे की रॉड से जानलेवा हमला हुआ, ऐसा लग रहा था जैसे जान से मारने के लिए बदमाश पहुंचे थे। एक बार फिर बिहार की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

धबौली वार्ड 11 (नवटोलिया) में हुई इस घटना के दौरान अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग की और दाउद के घर में तोड़फोड़ कर कीमती सामान भी लूट लिया। परिजनों का आरोप है कि इलाके के ही मोहम्मद यूसुफ और मोहम्मद फिरोज ने वर्चस्व कायम करने की पुरानी रंजिश में यह हमला किया।

दाउद और इमरान दोनों को सिर में गंभीर चोट आई है और वे फिलहाल बेगूसराय सदर अस्पताल में गंभीर स्थिति में भर्ती हैं। गांव वालों का कहना है कि घटना के समय पुलिस को सूचना देने के बावजूद समय पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे हमलावरों का हौसला और बढ़ गया।

हैवानियत! बिस्तर पर प्रेमी संग इस हाल में पकड़ी गई टीचर पत्नी, देख हुआ आगबबूला पति, फिर सड़कों पर नंगा घुमाया

(जीएनएस)।

ओडिशा के पुरी जिले में एक सनसनीखेज और दिल दहलाने वाली घटना ने सबको चौंका दिया है। एक स्कूल टीचर को उसके कॉलेज लेक्चरर पति ने कथित तौर पर सहकर्मी के साथ 'धोखा' देते पकड़ा, और फिर जो हुआ, उसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। गुस्से से आगबबूला पति ने न सिर्फ अपनी पत्नी को बेरहमी से पीटा, बल्कि उसे चप्पलों की माला पहनाकर प्रेमी संग सड़कों पर नंगा घुमाया।

इतना ही नहीं, महिला के पुरुष मित्र, जो खुद एक टीचर है, को भी अंडरवियर तक उतारकर सार्वजनिक रूप से बेइज्जत किया गया। इस भयावह घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, और लोग गुस्से से उबल रहे हैं। आखिर क्या है ये पूरा ड्रामा? आइए, इस खौफनाक कहानी की परतें खोलते हैं...

रात 8 बजे का खौफनाक मंजर

पुरी के नीमापाड़ा इलाके में मंगलवार (8 सितंबर 2025) रात करीब 8 बजे एक ऐसी घटना घटी, जिसने इंसानियत को तार-तार कर दिया। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित महिला अपने कॉलेज लेक्चरर पति से वैवाहिक विवादों के चलते अलग रह रही थी और किराए के मकान में रहती थी। पति को शक था कि उसकी पत्नी का किसी और के साथ अफेयर है। उस रात, वो अपने कुछ साथियों के साथ जबरन पत्नी के घर में घुस गया। अंदर का नजारा देखकर उसका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया-उसने अपनी पत्नी को एक पुरुष सहकर्मी के साथ 'रंगे हाथों' पकड़ लिया।

सड़क पर बेइज्जती का तमाशा

इसके बाद जो हुआ, वो किसी थ्रिलर फिल्म से कम नहीं। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि पति ने अपनी पत्नी को बालों से घसीटकर घर से बाहर निकाला। उसने न सिर्फ उसे बेरहमी से पीटा, बल्कि चप्पलों की माला पहनाकर सड़कों पर घुमाया। भीड़ के सामने महिला की बेइज्जती की गई, और उसका पुरुष मित्र भी नहीं बचा-उसे अंडरवियर में अपमानित किया गया।

वीडियो में महिला रोते हुए, सड़क पर धकेली जाती दिख रही है, जबकि उसका पति गालियां बकता और मारपीट करता रहा। आसपास खड़ी भीड़ ने इस भयावह दृश्य को अपने फोन में कैद कर लिया, और अब ये क्लिप सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है।

पुलिस स्टेशन तक का अपमानजनक सफर

पति और उसके साथियों ने दोनों को पुलिस स्टेशन की ओर चलने के लिए मजबूर किया। रास्ते में भीड़ ने उन्हें घेर रखा था, और लोग इस तमाशे को रिकॉर्ड करते रहे। वीडियो में साफ सुनाई दे रहा है कि पति चिल्ला रहा है, और महिला बार-बार अपनी बेगुनाही की दुहाई दे रही है। लेकिन गुस्से में अंधे पति पर इसका कोई असर नहीं हुआ।

पुलिस ने लिया एक्शन

स्थानीय पुलिस को जैसे ही इस घटना की खबर मिली, उन्होंने तुरंत हस्तक्षेप किया। पति और उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामला अभी जांच के दायरे में है, और दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जिलों को आवंटित 28 नई आधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वैन को गांधीनगर से दिखाई हरी झंडी

गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी भी रहे मौजूद

- अपराध-घटना या दुर्घटना स्थल के परीक्षण में वैज्ञानिक तरीके से प्राथमिक जांच और साक्ष्य एकत्र करने में मोबाइल फोरेंसिक वैन की भूमिका महत्वपूर्ण
- फोरेंसिक सेवाओं का दायरा बढ़ने से अपराधों की जांच तेज और प्रभावी होगी
- राज्य में मोबाइल फोरेंसिक वैन की संख्या 47 से बढ़कर 75 हुई

गांधीनगर, 11 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को गांधीनगर से राज्य के जिलों को आवंटित 28 नई अत्याधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वैन को गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए और समयानुकूल आपराधिक कानूनों को लागू किया गया है। नए आपराधिक कानूनों में कन्विक्शन रेट यानी दोषसिद्धि की दर को बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक पद्धति से अपराधों की जांच को विशेष महत्व दिया गया है। इन कानूनों के अंतर्गत 7 वर्ष से अधिक की सजा वाले अपराधों में फोरेंसिक जांच को अनिवार्य किया गया है, तब फोरेंसिक साइंस की भूमिका और भी बढ़ जाती है।

अपराध-घटना या दुर्घटना स्थल के परीक्षण में वैज्ञानिक तरीके से प्राथमिक जांच एवं साक्ष्य एकत्रित करने में वैज्ञानिक अधिकारियों की उपस्थिति के साथ मोबाइल फोरेंसिक वैन महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राज्य में इस प्रकार की और अधिक मोबाइल फोरेंसिक वैन के कार्यरत होने से फोरेंसिक क्षमता में वृद्धि हुई है। वर्तमान में फोरेंसिक जांच के लिए 47 वैन हैं, अब इन 28 नई फोरेंसिक वैन के शामिल होने से यह संख्या बढ़कर 75 हो जाएगी। इसके चलते फोरेंसिक जांच त्वरित और प्रभावी तरीके से हो सकेगी।

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी ने कहा कि इस मोबाइल फोरेंसिक लैब में एनडीपीएस का तत्काल स्थल पर ही निरीक्षण, डीएनए टेस्ट की व्यवस्था है। यह मोबाइल फोरेंसिक वैन किसी भी प्रकार की आग लगने या आकस्मिक घटना या किसी भी प्रकार के अटैक-हमले की स्थिति में फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में आवश्यक सभी उपकरणों से सुसज्जित है। उन्होंने कहा कि ये मोबाइल फोरेंसिक वैन आज से गुजरात की शांति और सुरक्षा में अहम योगदान देंगे

उल्लेखनीय है कि ये 28 नई मोबाइल फोरेंसिक वैन केंद्र और राज्य सरकार के अनुदान से आवंटित की गई हैं। अत्याधुनिक फोरेंसिक साधनों व उपकरणों वाली इन फोरेंसिक वैन को जिलों में कार्यरत फोरेंसिक विशेषज्ञों की राय के आधार पर सुसज्जित किया गया है। इन मोबाइल वैन से राज्य में फोरेंसिक सेवाएं और अधिक सुलभ होंगी तथा अपराध की त्वरित और प्रभावी जांच संभव हो पाएगी।

इस अवसर पर गृह विभाग सह मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री एम.के. दास, राज्य पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय, फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) निदेशक श्री एच.पी. संघवी सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फडणवीस बेंगलुरु मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने पर क्यों आगबबूला? बोले- ईश्वर सिद्धारमैया को सद्बुद्धि दे

(जीएनएस)।

कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बेंगलुरु के एक मेट्रो स्टेशन का नाम जल्द बदलने का ऐलान किया है। जिसके बाद कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच फिर माहौल गरमा चुका है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सीएम सिद्धारमैया के बेंगलुरू के स्टेशन का नाम बदलने पर आगबबूला हो चुके हैं। इस मामले में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला है।

दरअसल, कर्नाटक सीएम बेंगलुरू के जिस मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने जा रहे हैं उस स्टेशन का नाम शिवाजी मेट्रो स्टेशन है। शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने के कर्नाटक सरकार के प्रस्ताव पर सीएम फडणवीस ने सिद्धारमैया खिलाफ मोर्चा खोल दिया और उनको जमकर खरी खोटी सुनाई है।

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घोषणा की है कि सेंट मैरी बेसिलिका के वार्षिक उत्सव के दौरान मिले अनुरोध के बाद उनकी सरकार स्टेशन का नाम 'सेंट मैरी' करने पर विचार करेगी।

फडणवीस बोले- यह छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान है

देवेंद्र फडणवीस ने इस कदम की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा, "मैं सेंट मैरी के नाम पर बेंगलुरु में शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने के कर्नाटक सरकार के कदम की निंदा करता हूं। यह छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान है।"

उद्धव ठाकरे की शिवसेना क्‍ यों कर रही सिंदूर रक्षा आंदोलन? बीजेपी मंत्रियों के बच्चों बनाया निशाना

उद्धव ठाकरे की शिवसेना क्‍ यों कर रही सिंदूर रक्षा आंदोलन? बीजेपी मंत्रियों के बच्चों बनाया निशाना

कांग्रेस ने नेहरू के समय से मराठा योद्धा...

फडणवीस ने आगे कहा, "कांग्रेस ने नेहरू के समय से मराठा योद्धा राजा का अपमान करने की अपनी परंपरा जारी रखी है, जिन्होंने अपनी किताब 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' में शिवाजी महाराज के खिलाफ टिप्पणी की थी।"

"ईश्वर सिद्धारमैया को सद्बुद्धि दे"

देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वह ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि सिद्धारमैया को सद्बुद्धि मिले ताकि वे धर्म पर आधारित और मराठा योद्धा राजा के विरुद्ध ऐसा निर्णय न लें। उन्होंने भारत में नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी अशांत स्थितियों को लेकर कुछ विपक्षी नेताओं की टिप्पणियों पर भी कटाक्ष किया।

"विपक्ष का स्तर गिर गया है"

फडणवीस ने कहा कि विपक्ष का स्तर गिर गया है। उन्होंने कहा "आप सरकार के कार्यक्रमों और नीतियों की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन समाज और देश की नहीं।" यह विवाद दोनों राज्यों में राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने दिया जवाब?

वहीं इस आरोप के बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सीएम सिद्धारमैया के बयान का बचाव किया। उन्होंने कहा, "हमने अभी इस पर चर्चा की है। मुझे लगता है कि एक अनुरोध आया है। अनुरोध करने में कुछ भी गलत नहीं है। हम इस पर विचार करेंगे।"

कौन था ₹1 करोड़ का इनामी नक्सली मोदम बालकृष्ण, एक टिप ने करा दिया खेल खत्म!

(जीएनएस)।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है। बुधवार को हुई एक भीषण मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया। इनमें संगठन का कुख्यात कमांडर मनोज उर्फ मोडेम बालकृष्ण भी शामिल है, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था।

खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन

सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षाबलों को खुफिया इनपुट मिला था कि नक्सली कमांडर बालकृष्ण अपने दस्ते के साथ इलाके में मौजूद है। जानकारी की पुष्टि होते ही सुरक्षा एजेंसियों ने एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई। बुधवार सुबह अभियान शुरू किया गया और कुछ ही घंटों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ छिड़ गई।

नक्सली कमांडर बालकृष्ण का काला इतिहास

मनोज उर्फ मोडेम बालकृष्ण नक्सली संगठन में शीर्ष नेतृत्व का हिस्सा था और उसके खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे।

- हत्या और लूट की वारदातों में उसकी संलिप्तता साबित हो चुकी थी।
- पुलिस और सुरक्षाबलों पर कई हमलों का मास्टरमाइंड वह ही था।
- उसके सिर पर घोषित ₹1 करोड़ का इनाम इस बात का सबूत था कि वह संगठन में कितना प्रभावशाली और खतरनाक माना जाता था।

सुरक्षाबलों का कहना है कि बालकृष्ण की मौत नक्सलियों के संगठन के लिए एक बड़ा डैमेज है। उसे संगठन की रणनीति और योजनाओं का मुख्य संचालक माना जाता था।

संगठन की कमर टूटी

एक्सपर्ट का मानना है कि इस कार्रवाई से नक्सली संगठन की गतिविधियों को बड़ा झटका लगेगा। संगठन पहले ही कई इलाकों में कमजोर पड़ चुका है, ऐसे में बालकृष्ण की मौत उनके मनोबल को और गिरा सकती है। सुरक्षाबलों का दावा है कि बालकृष्ण की अगुवाई में पिछले कुछ सालों में जिन बड़े हमलों को अंजाम दिया गया था, उनकी जांच जारी है।

आगे की स्थिति

अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इलाके में अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है ताकि बच निकले नक्सलियों को पकड़ा जा सके। यह मुठभेड़ सुरक्षाबलों की एक ऐतिहासिक सफलता मानी जा रही है, जो आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाली के प्रयासों को मजबूती दे सकती है।

कौन थे आरजेडी नेता रह चुके राजकुमार राय, जो तेजस्वी यादव के खिलाफ लड़ने वाले थे चुनाव, अब सरेआम की गई हत्या

(जीएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजधानी पटना में सनसनीखेज वारदात ने सियासत गरमा दी है। बुधवार (10 सितंबर) देर रात राजद (फ्खऊ) नेता और कारोबारी राजकुमार राय उर्फ आला राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना पटना के मुन्नाचक इलाके की है, जहां अज्ञात हमलावरों ने राजकुमार राय पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। गंभीर हालत में उन्हें पीएमसीएच ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

यह हत्या ऐसे वक्त में हुई है जब राजकुमार राय आगामी विधानसभा चुनाव 2025 में तेजस्वी यादव के गढ़ राघोपुर सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर उतरने की तैयारी कर रहे थे। ऐसे में आइए जानते हैं कि कौन राजकुमार राय और कैसे हुई उनकी हत्या। राजकुमार राय उर्फ आला राय मूल रूप से वैशाली जिले के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र के निवासी थे। राजकुमार राय पेशे से कारोबारी थे लेकिन लंबे समय से राजनीति में सक्रिय थे। राजकुमार राय ने 2021 में राघोपुर जिला परिषद चुनाव में भी किस्मत आजमाई थी, लेकिन हार गए थे। पहले राजद से जुड़े रहे।

पीएम मोदी के इस नारे के कायल हुए तानाशाह किम जोंग उन? अब उत्तराधिकारी हो सकती है ये खूबसूरत जेन-जेड लड़की!

(जीएनएस)।

दुनिया के सबसे रहस्यमयी और सख्त तानाशाही देश उत्तर कोरिया में एक ऐसा ट्विस्ट आया है, जो सियासत से लेकर जेंडर इक्वालिटी तक सबको हिला देगा। किम जोंग उन, जो न्यूक्लियर मिसाइलों और आइसोलेशन के लिए मशहूर हैं, अब 12-13 साल की खूबसूरत लड़की को उत्तराधिकारी बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं।

इसकी पुष्टि दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ठक्र ने गुरुवार (11 सितंबर) की है। और ये सब ढट मोदी के 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' नारे से इंस्पायर्ड लगता है, जिसे किम ने 'बेटी बढ़ाओ' में बदल दिया है। क्या ये पुरुष प्रधान समाज में क्रांति है, या स्ट्रैटेजिक मूव? आइए, इससे विस्तार से समझें...

किम जू ए का इंटरनेशनल डेब्यू: चीन ट्रिप ने मचाया धमाल

सितंबर 2025 की शुरूआत में किम जोंग उन अपनी बुलेटप्रूफ 'सन ट्रेन' से बेटी किम जू ए को लेकर चीन पहुंचे। बीजिंग में हहक्क की 80वीं एनिवर्सरी पर मिलिट्री परेड में उन्होंने चाइनीज प्रेसिडेंट शी जिनपिंग और रशियन प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन से मिले। लेकिन, सबकी नजरें जू ए पर टिक गईं-स्मार्ट ड्रेस में स्टैंडिंग, पापा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अक्सर नजर आतीं हैं। ठक्र ने कहा, 'ये ट्रिप उत्तराधिकार की स्टोरी को कंपलीट करने का पार्ट था। जू ए ने 'क्रांतिकारी नरेटिव' बिल्ड कर लिया है।' स्टेट मीडिया ने उन्हें 'सम्मानित बेटी' कहा, जो सिर्फ टॉप लीडर्स के लिए यूज होता है। पॉस्टेज स्टैंप्स पर भी पापा-बेटी की फोटो छपी।

ठक्र के सांसद ली सेओंग-क्वेउन ने कहा, 'जू ए को रिकग्नाइज्ड उत्तराधिकारी माना जा रहा है। अफवाहें हैं कि किम का कोई बेटा या डिसेबल्ड चाइल्ड है, या कोई स्टडी एब्रॉड कर रहा है-सब बकवास हैं। ठक्र ने चेक किया, ऐसा कुछ नहीं है। जू ए की उम्र 12-13 बताई जा रही है, और वो घुड़सवारी, स्कीइंग और स्विमिंग की शौकीन हैं। 2022 में कब्इट लॉन्च पर पहली बार पब्लिकली दिखीं, तब से मिलिट्री परेड्स, रिजॉर्ट ओपनिंग्स में साथ हैं। लेकिन क्या इतनी छोटी उम्र में लीडरशिप? एक्सपर्ट्स कहते हैं, किम फैमिली हेल्थ इश्यूज की वजह से जल्दी प्लानिंग कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया जैसे गहरे पुरुष प्रधान सोसाइटी में, जहां कन्फ्यूशियन प्रिंसिपल्स से पुरुष ही फैसला लेते हैं, महिलाओं को वर्कफोर्स में होने के बावजूद सेकंड क्लास ट्रीटमेंट मिलता है। लेकिन किम जोंग उन ने अपनी बेटी को आगे बढ़ाकर 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' को ट्विस्ट दे दिया-'बेटी बढ़ाओ'! भारत में 2015 में शुरू हुई ये स्कीम कन्या भ्रूण हत्या, लिंग डिस्क्रिमिनेशन रोकने के लिए थी। हेल्थ मिनिस्ट्री के डेटा से उरफ 918 (2014-15) से बढ़कर 933 (2022-23) हो गया। जागरूकता कैंपेन, एजुकेशन और वेलफेयर से लड़कियां एम्पावर हुईं।

किम की बहन को भतीजी ने किया ओवरटेक!

क्या किम ने इसे कॉपी किया? एक्सपर्ट्स का मानना है, हां। उत्तर कोरिया में कोई बेटा न होने से जू ए को चुना गया। अगर वो सत्ता संभालेंगी, तो ये पुरुष-डॉमिनेटेड डायनेस्टी में पहली फीमेल लीडर होंगी। लेकिन चैलेंजेस? पूर्व ठक्र डायरेक्टर पार्क जी-वोन कहते हैं, 'उम्र कम, एक्सपीरियंस जीरो-कन्फ्यूशियन कल्चर में फीमेल लीडर को एक्सेप्ट करना मुश्किल है।' किम की सिस्टर किम यो जोंग (प्रोपगैंडा चीफ) पहले उत्तराधिकारी लग रही थीं, लेकिन जू ए ने ओवरटेक कर लिया। एक्सपर्ट्स कहते हैं, ये मूव मिलिट्री और पार्टी एलीट्स की लॉयल्टी सिक्योर करने का है।

क्या बनेगी जू ए नेक्स्ट किम?

नवंबर 2022 से जू ए की राइज रॉकेट स्पीड की है-मिसाइल टेस्ट्स से लेकर रिसॉर्ट्स तक। बीजिंग डेब्यू में मीडिया से दूर रखा गया, प्राइवेसी मेंटेन की। किम फैमिली का रूल 1948 से चला आ रहा-किम इल-सुंग से किम जोंग उन तक। अगर जू ए नेक्स्ट, तो न्यूक्लियर पावर वाली दुनिया की पहली फीमेल डिक्टेटर होंगी। लेकिन क्रिटिक्स कहते हैं, ये जल्दबाजी-उम्र छोटी, कल्चर पुरानी है। किम का कोई बेटा न होना ये मूव जरूरी बनाता है।

भारत का 'बेटी बचाओ' ग्लोबल इंस्पिरेशन बन गया-क्या किम का 'बेटी बढ़ाओ' कोरिया में रिवोल्यूशन लाएगा? या सिर्फ पॉलिटिकल स्ट्रैटेजी? दुनिया की नजरें प्योंगयांग पर टिकी हैं।

'सोनाली बेंद्रे बच गईं', सुनीता आहूजा ने बताया पति गोविंदा का सबसे बड़ा सीक्रेट, क्या हुई बात?

(जीएनएस)।

जब गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा और सोनाली बेंद्रे स्टेज पर मिलती हैं, तो उम्मीद है कि पुरानी यादें, हंसी और बिना किसी रोक-टोक वाला मजा देखने को जरूर मिलेगा। कलर्स के 'पति पत्नी और पंगा-जोड़ियों का रियलिटी चेक' में ठीक ऐसा ही हुआ।

सुनीता आहूजा ने गोविंदा के बारे में कही ऐसी बात

फैंस को गोविंदा की यादों, सुनीता आहूजा की मजाकिया अदाओं और उनके मशहूर ह्यूमर से भरपूर एक शानदार शाम मिली। जब मुनव्वर फारूकी ने सुनीता आहूजा को डांस करने के लिए कहा, तो उन्होंने तुरंत अपने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया- मैं तुम्हारी वाइफ नंबर 1 थोड़ी हूं जो तुम मेरे साथ डांस कर रहे हो।

पत्नी सुनीता आहूजा ने खोला गोविंदा का राज

शो के इस एपिसोड ने सुनीता आहूजा को बातचीत पर अपना दबदबा बनाने का मौका भी दिया। शाम की सबसे मजेदार बात तब हुई जब सुनीता आहूजा ने एक ऐसा राज बताया जिससे सभी दर्शक और कंटेस्टेंट हंस-हंसकर लोटपोट हो गए।

सोनाली बेंद्रे गोविंदा की नजरों से बच गईं

सुनीता आहूजा ने कहा- मेरे पति गोविंदा ने लगभग हर एक्ट्रेस के साथ मजाकिया अंदाज में फ्लर्ट किया है लेकिन सोनाली बेंद्रे ऐसी अकेली महिला थीं, जिनसे उन्होंने कभी फ्लर्ट नहीं किया। ये बात सुनकर सभी कपल्स हैरान रह गए और दर्शक जोर-जोर से हंसने लगे, जबकि सोनाली बेंद्रे स्टेज पर शर्मा गई थीं।

सुनीता आहूजा ने किया धमाकेदार डांस

-सुनीता आहूजा ने सभी को और भी हैरान कर दिया जब उन्होंने गोविंदा का एक बड़ा सा कटआउट दिखाया, जिसके बाद सोनाली बेंद्रे, सुनीता खुद और बाकी कंटेस्टेंट ने 'मैं तो रस्ते से जा रहा था' गाने पर धमाकेदार डांस किया।

-कॉमेडी और भी मजेदार तब हो गई जब सुदेश लेहरी कटआउट के पीछे छिपकर गोविंदा की नकल करने लगे और अभिषेक कुमार को मजाकिया अंदाज में थप्पड़ मार दिया, जिससे माहौल और भी मनोरंजक हो गया।

गोविंदा को सुनीता आहूजा ने दी रेटिंग

-हंसी-मजाक जल्द ही एक मजेदार "मैरिटल रिपोर्ट कार्ड" सेगमेंट में बदल गया, जब ईशा मालवीय ने सुनीता आहूजा से अपने पति गोविंदा को रेटिंग देने के लिए कहा। अपनी भूलने की आदत के लिए मशहूर गोविंदा को जिम्मेदारी के लिए सुनीता ने उन्हें 10 में से 7 अंक दिए।

-असली हैरानी तब हुई जब सुनीता आहूजा ने पति गोविंदा की ईमानदारी को 6 अंक दिए। इस बात ने सभी को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया। इस पल ने ये साबित कर दिया कि सुनीता का सहज हास्य और मजाकिया अंदाज दर्शकों का मनोरंजन करने में बेजोड़ है।

सुनीता आहूजा ने बताया गोविंदा का सीक्रेट

-अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए सुनीता आहूजा ने कहा- पति पत्नी और पंगा शो में शामिल होना पुरानी यादों की एक खूबसूरत यात्रा जैसा था, जो कुछ अनकही बातों और हंसी से भरा था। गोविंदा के गानों पर फिर से डांस करना, सोनाली बेंद्रे के साथ स्टेज शेयर करना और इतने सारे प्यारे जोड़ों की मस्ती भरी एनर्जी का आनंद लेना मुझे बहुत अच्छा लगा।

-सुनीता आहूजा ने आगे कहा- सोनाली बेंद्रे के साथ बिताया वह समय और भी खास था। हम हंसे और पुरानी मजेदार यादें ताजा कीं। मैंने बताया कि गोविंदा ने भले ही कई लोगों से फ्लर्ट किया हो, लेकिन सोनाली बेंद्रे ही बच गईं। उन पलों को फिर से जीना, कुछ अनकही बातें शेयर करना और गोविंदा स्टाइल एंटरटेनमेंट का जश्न मनाना सच में बहुत खास था, जो हमेशा से मेरी जिंदगी का एक अहम हिस्सा रहा है।

चार्ली किर्क की मौत पर बीवी की खूबसूरती का जिक्र? कौन है ये लेडी? जिसपर ट्रंप भी हो गए मोहित

(जीएनएस)।

टर्निंग पॉइंट यूएसए के सीईओ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी रहे चार्ली किर्क की बुधवार को यूटा के ओरेम स्थित यूटा वैली यूनिवर्सिटी (यूवीयू) में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई जिसके बाद से अमेरिका में मातम पसरा है। खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिक की मौत को 'अमेरिका का काला अध्याय' बताते हुए कहा है कि 'वो दोषियों को छोड़ेंगे नहीं।'

आपको बता दें कि चार्ली क्रिक अपने पीछे अपनी पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए हैं। उनकी पत्नी का नाम एरिका फ्रांत्जवे हैं। एरिका पूर्व मिस एरिजोना यूएसए रह चुकी हैं और बलां की खूबसूरत हैं। उनकी सुंदरता का आलम ये है कि ट्रंप ने अपने शोक संदेश में भी उनकी सुंदरता का जिक्र किया।

'ब्यूटी आईकॉन' के अलावा वो एक सफल बिजनेस वुमन, पॉडकास्टर और सोशल वर्कर हैं। सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय एरिका कैथोलिक फैमिली से हैं और लोग उन्हें Beauty with Brain कहते हैं।

Charlie Kirk

उन्हें Arizona State University से पढ़ाई की और खेलों के प्रति उनका बचपन से ही लगाव था। वो

बास्केटबॉल और वॉलीबॉल की बढ़िया खिलाड़ी रही हैं। वो रेगिस विश्वविद्यालय में एक छात्र-एथलीट के रूप में ही जानी जाती थीं लेकिन इसके बाद उनका रूझान फैशन की ओर हुआ और उन्होंने Miss Arizona USA 2012 का खिताब जीता।

साल 2018 में हुई थी Charlie Kirk और एरिका की पहली मुलाकात

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चार्ली किर्क और एरिका की पहली मुलाकात साल 2018 में हुई थी। एरिका क्रिक के तेज दिमाग और क्रिक उनकी ब्यूटी से बहुत ज्यादा प्रभावित थे, जिसके चलते ही दोनों जल्द ही प्यार के बंधन में बंध गए।

Charlie Kirk

8 मई 2021 को Charlie Kirk की हुई थी शादी

दिसंबर 2020 में चार्ली ने एरिका को प्रपोज किया और 8 मई 2021 को दोनों ने शादी कर ली। ये कपल अगस्त 2022 में पहले बेटी और फिर दो साल बाद बेटे का मम्मी-पापा बना।

Charlie Kirk

कैसे हुई Charlie Kirk की हत्या?

10 सितंबर को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक ओपन फोरम में किर्क मास शूटिंग्स पर सवाल का जवाब दे रहे थे कि तभी उनकी गर्दन में गोली लगी और वो गिर।

जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी हत्या की जानकारी

किर्क के मारे जाने की जानकारी खुद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर दी जिसमें उन्होंने कहा है कि 'महान नहीं, बल्कि Legendary, चार्ली किर्क का निधन हो गया। संयुक्त राज्य अमेरिका में युवाओं के दिल को चार्ली से बेहतर कोई नहीं समझ सकता था। सभी खासकर मैं उन्हें प्यार और सम्मान देता था और अब वह हमारे बीच नहीं हैं। मेलानिया और मेरी संवेदनाएं उनकी खूबसूरत पत्नी एरिका और परिवार के साथ हैं चार्ली, हम तुमसे प्यार करते हैं!'